पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

भारत-पाक विवाद के बीच वाणी कपूर का बड़ा फैसला

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 54 ■ सोमवार, 5 मई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel

आज दोपहर 1 बजे घोषित होगा 12वीं का रिजल्ट

ठाणे. महाराष्ट्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://www.mahahsscboard.in/ पर दी गई जानकारी के अनुसार, 12वीं का रिजल्ट 5 मई को दोपहर 1 बजे जारी किया जाएगा. रिजल्ट जारी होने के बाद स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट्स mahresult.nic.in और mahahsscboard.in के अलावा aajtak.in पर अपनी ऑनलाइन मार्कशीट चेक कर सकेंगे.

महाराष्ट्र बोर्ड एचएससी 12वीं रिजल्ट 2025 की तारीख और समय की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (MSBSHSE) सोमवार, 5 मई 2025 को एसएससी (12वीं) बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित करेगा. बोर्ड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी पुष्टि की है.

महाराष्ट्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https:// www.maha hsscboard.in/ पर दी गई जानकारी के अनुसार, 12वीं का रिजल्ट 5 मई को दोपहर 1 बजे जारी किया जाएगा. रिजल्ट जारी होने के बाद स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट्स mahresult.nic.in और mahahsscboard.in पर अपनी ऑनलाइन मार्कशीट चेक कर सकेंगे.

10वीं का रिजल्ट भी जल्द होगा घोषित

महाराष्ट्र 12वीं बोर्ड रिजल्ट के बाद, एसएससी (10वीं) का रिजल्ट जारी किया जाएगा. हालांकि बोर्ड ने अभी 10वीं रिजल्ट जारी करने की तारीख और समय की जानकारी नहीं दी है. माना जा रहा है कि बोर्ड मई के तीसरे सप्ताह में 10वीं का रिजल्ट जारी कर सकता है. पिछले साल एसएससी बोर्ड रिजल्ट 27 मई 2024 को जारी किया गया था. साल 2019 में 08 जून, 2020 में 29 जुलाई, 2021 में 16 जुलाई, 2022 में 17 जून और 2023 में 02 जून को महाराष्ट्र बोर्ड एसएससी रिजल्ट जारी किया गया था. छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे ताजा जानकारी के लिए वेबसाइट पर नजर बनाए रखें.

क्राइम डायरी...

कुल्हाड़ी से वार कर उप सरपंच के पिता की हत्या

कल्याण. मुरबाड तहसील अंतर्गत एक गांव में आपसी विवाद के कारण 52 वर्षीय व्यक्ति की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई. पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. मृतक गांव के उप सरपंच का पिता बताया गया है. जबकि हमलावर महिला सरपंच के करीबी बताये गए हैं. आरोपियों में महिला सरपंच का भी नाम शामिल है.

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वारदात मुरबाड तालुका के जामब्रुडे गांव में हुई है. गांव के चौराहे पर पांच लोगों ने गांव के ही रहने वाले बरचंद्र बिरहाड़े पर हमला कर दिया. कुल्हाड़ी के प्रहार से बिरहाड़े बुरी तरह घायल हो गया एवं अधिक रक्तस्राव होने की वजह से घटना स्थल पर ही उसने दम तोड़ दिया. अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक का पुत्र गांव का उप सरपंच है, जबकि आरोपी वर्तमान महिला सरपंच के करीबी है. उन्होंने बताया कि विकास परियोजनाओं और पीड़ित पक्ष द्वारा आरटीआई से प्राप्त जानकारी से आधार पर किए गए खुलासे को लेकर दोनों समूहों के बीच महीनों से तनाव था।

राज्य में सबसे महंगा पानी पीते हैं अंबरनाथ-बदलापुर के नागरिक

- **भाजपा महामंत्री का संभाजी शिंदे का दावा**
- **जीवन प्राधिकरण पर लाभ कमाने का आरोप**

बदलापुर. भाजपा महामंत्री संभाजी शिंदे ने सनसनीखेज खुलासा किया है कि चौथी मुंबई के रूप में मशहूर अंबरनाथ और बदलापुर शहर के नागरिक राज्य में सबसे महंगा पानी पीते हैं। साथ ही, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के माध्यम से इन दोनों शहरों में लाभ कमाने का कारोबार किया जा रहा है, और शिंदे ने यह भी मांग की है कि इस प्राधिकरण का प्रशासन 'न लाभ, न हानि' के सिद्धांत पर होना चाहिए। शिंदे ने यह भी आरोप लगाया है कि दोनों शहरों में पानी का रिसाव लगभग 30 प्रतिशत है और प्राधिकरण पूंजीगत कार्यों पर कोई पैसा खर्च नहीं कर रहा है। दोनों शहरों में नागरिक जीवन प्राधिकरण के काम से नाखुश हैं।

12 रुपए प्रति हजार लीटर

महाराष्ट्र के अन्य सभी शहरों में जल आपूर्ति की दर 1 रुपये से 5 रुपये प्रति हजार लीटर के बीच है। हालांकि, संभाजी शिंदे ने यह भी दावा किया है कि चौथी मुंबई कहे जा रहे अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में कीमत सबसे ज्यादा 12 रुपये प्रति हजार लीटर है। इसलिए 31 मार्च 2025 तक ग्राहकों पर 129 करोड़ रुपये का पानी बिल बकाया होने के बावजूद जीवन प्राधिकरण हर साल कम से कम 10 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा रहा है।

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के माध्यम से दो शहरों, अंबरनाथ और बदलापुर को पानी की आपूर्ति की जाती है। प्राधिकरण यहां जल वितरण, रखरखाव और मरम्मत, जल पम्पिंग और जल शोधन परियोजनाएं चलाता है। वहीं, प्राधिकरण को शहर से हर साल 10 करोड़ रुपये का मुनाफा हो रहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में सभी ग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों, नगर परिषदों और नगर निगमों का अपना जल आपूर्ति विभाग और नियंत्रण है। ये सभी स्थानीय स्वशासन निकाय इन जल योजनाओं और जलापूर्ति के लिए अपने स्वयं के धन और आय खर्च कर रहे हैं, तथा नागरिकों को रियायती दरों पर पानी उपलब्ध करा रहे हैं। भाजपा के ठाणे जिला महामंत्री और पूर्व नगरसेवक संभाजी शिंदे ने दावा किया है कि जीवन प्राधिकरण को अंबरनाथ और बदलापुर शहरों से हर साल 10 करोड़ रुपये का फंड (लाभ) मिल रहा है।

शिंदे ने आरोप लगाया है कि जल योजना को 'न लाभ, न हानि' के सिद्धांत पर चलाने की आवश्यकता है और इस संबंध में सभी पूंजीगत व्यय केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा राज्य सरकार (शहरी उत्थान योजना और अमृत योजना) के माध्यम से वहन किया जा रहा है, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण ने इसे बदलापुर और अंबरनाथ के दो शहरों के लिए एक लाभदायक व्यवसाय बना दिया है।

क्या प्राधिकरण खर्च नहीं कर रहा है?

शिंदे ने जल रिसाव को कम करने के लिए पूंजीगत व्यय न करने तथा आवश्यक तकनीकी जनशक्ति की व्यवस्था न करने जैसे मुद्दों को उजागर किया है। अंबरनाथ नगर पालिका और बदलापुर नगर पालिका में विकास कार्यों के लिए तकनीकी स्वीकृति देने की प्रक्रिया माजीपुर के मौजूदा मानवशक्ति (सिविल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर) द्वारा की जा रही है। इससे भी मजीद को हर साल करोड़ों रुपए का राजस्व प्राप्त होता है। उस निधि का उपयोग दोनों शहरों में जलापूर्ति को सुचारू, कुशल और रिसाव मुक्त बनाने के लिए पूंजीगत व्यय के लिए भी किया जाना चाहिए। शिंदे ने STEM की तर्ज पर एक प्राधिकरण की स्थापना की भी मांग की है।

पानी की कमी बरकरार

अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में पानी की सबसे अधिक दरें वसूले जाने के बावजूद आज अंबरनाथ शहर पानी की कमी का सामना कर रहा है। अंबरनाथ शहर में जल कटौती लागू कर दी गई है, कुछ क्षेत्रों में हर दूसरे दिन जल कटौती हो रही है, जबकि अन्य क्षेत्रों में सप्ताह में एक बार जल कटौती हो रही है। शहर में रिसाव की दर 30 प्रतिशत तक है। ऊंचे इलाकों में पानी पहुंचाने में दिक्कतें आ रही हैं। पानी कम दबाव पर अंत तक बहता है।

3 पुलिसकर्मी निलंबित

ठाणे. ठाणे में आए दंपति से जबरन वसूली करने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि निलंबन आदेश जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि तीनों की गतिविधियां ''पुलिस बल के अनुशासन के अनुरूप नहीं थीं'' और इससे ''विभाग की बदनामी हुई''।

उन्होंने कहा कि आरोपी कांस्टेबल जयेश अम्बिकर, राकेश कुंटे और सोनाली मराठे ने 30 अप्रैल की रात तालावपाली क्षेत्र के पास अनधिकृत ''निरीक्षण'' करने के लिए पुलिस एस्कॉर्ट वाहन का दुरुपयोग किया। अधिकारी ने बताया कि संबंधित तीनों पुलिसकर्मियों ने मुंबई से ठाणे में रात्रि भोज के लिए आए एक दंपति को कथित तौर पर रोका और उन पर अनैतिक गतिविधियों में लिप्त होने का झूठा आरोप लगाया।

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने उनके माता-पिता के मोबाइल नंबर मांगे, दंपति के साथ गाली-गलौज की और उनके साथ मारपीट भी की।''

अधिकारी के अनुसार, संबंधित सिपाहियों ने कथित तौर पर पैसे न देने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी थी।

कैंसर मोबाइल वैन के माध्यम से कैंसर की जांच

- **13 से 16 मई तक स्वास्थ्य केंद्रों पर वैन उपलब्ध**

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग ने शहर को कैंसर मुक्त बनाने की पहल की है। इसके लिए 13 से 16 मई तक कैंसर मोबाइल वैन के माध्यम से कैंसर की जांच की जाएगी और यह वैन 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। यह जानकारी मेडिकल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहिनी धर्मा ने दी. ऐसा जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले ने बताया।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला परिषद ठाणे के 30 अप्रैल के पत्र के अनुसार, मनपा क्षेत्र के नागरिकों के लिए कैंसर मोबाइल वैन के माध्यम से कैंसर जांच शिविर आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। तदनुसार, आयुक्त मनीषा आव्हाले के दिशा-निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवास, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त डॉ. विजय खेडकर के मार्गदर्शन में, गोल मैदान में विशेषज्ञ डॉ. राहुल खुरंगले, महात्मा फुले नगर में विशेषज्ञ डॉ. पूजा गुंडेकर, कैंप क्रमांक 4 ओटी सेक्शन में विशेषज्ञ डॉ. शुभांगी देवरे तथा नेताजी चौक में विशेषज्ञ डॉ. रवींद्र भगत की उपस्थिति में इन सभी चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कैंसर मोबाइल वैन के माध्यम से कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया है।

सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर इस अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। अतः चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की ओर से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी नागरिकों में इस महत्वपूर्ण कैंसर जांच शिविर का लाभ उठाने के लिए जागरूकता पैदा करें तथा कैंसर जांच शिविर के सफल क्रियान्वयन के लिए हर संभव प्रयास करें, जैसा कि चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहिनी धर्मा ने निर्देश दिए हैं।

नागरिकों का आरोप प्रशासन और ठेकेदार लापरवाह

खोदी गई सड़क में गिरकर बुजुर्ग घायल

उल्हासनगर. उल्हासनगर में चल रहे अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन कार्य के दौरान एक बुजुर्ग नागरिक के गंभीर रूप से घायल होने के बाद शहर में गुस्से की लहर भड़क उठी है। नागरिकों ने प्रशासन और सुरक्षा गार्ड पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

उल्हासनगर शहर के कैंप 4, सेक्शन 28, में एक हादसा हुआ। एक बुजुर्ग व्यक्ति फिसलकर 16 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घायल वृद्ध का नाम भाटिया है।

नागरिकों ने उसे गड्ढे में पड़ा देखा और उसे बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल ले गए। स्थानीय नागरिकों ने ठेकेदार और उस व्यक्ति के प्रति कड़ा गुस्सा व्यक्त किया। यदि प्रशासन साधारण सड़कों पर नोटिस बोर्ड लगाने का अतिरिक्त कार्य नहीं कर सकता, तो हां नगर निगम इसे 'स्मार्ट सिटी' बनाने का अपना सपना कैसे पूरा करेगा? नागरिकों ने यह सवाल उठाया है।

मजदूरों को न्याय दिलाने राकांपा की बाइक रैली

- **कंपनी व्यवस्थापन मजदूरों के साथ अन्याय करता है - सदाशिव पाटिल**

अंबरनाथ. अंबरनाथ राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) कामगार सेल द्वारा अंबरनाथ के विविध कंपनियों में काम कर रहे मजदूरों की विविध मांगों को लेकर बाइक रैली का आयोजन करके आनंद नगर औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों को निवेदन दिया गया. मजदूरो कायदे का पालन हो, औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों में मजदूरों को उनका हक मिले, इसके लिए शनिवार को सैकड़ों की संख्या में राकांपा के कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाली. शहर पूर्व में सुदामा होटल के पास से ये रैली निकाली गई. ठाणे जिले राकांपा कामगार सेल अध्यक्ष प्रमोद बो-हाटे के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली गई. जिसमें अंबरनाथ राकांपा अध्यक्ष सदाशिव पाटिल, दादासाहेब पाटिल, आमा संस्था के अध्यक्ष उमेश तायडे, सचिन पाटिल, धनंजय सुर्वे, विनय मिश्रा, राकांपा के कार्यकर्ता, मजदूर उपस्थित थे.

इस अवसर पर सदाशिव पाटिल ने कहा कि आनंद नगर एमआईडीसी में 1400 के करीब छोटी बड़ी कंपनियां हैं. मजदूरों के साथ कुछ कंपनी मालिक ज्यादा देर काम लेकर कम वेतन देते हैं और मजदूरों के साथ दादागिरी भी की जाती है. ऐसी शिकायतें प्राप्त होने के बाद बो-हाडे ने मजदूरों, कार्यकर्ताओं की बाइक रैली निकालकर कंपनी मालिकों को चेताया है कि मजदूरों को न्याय दिया जाए. आमा के अध्यक्ष उमेश तायडे ने कहा कि राकांपा की मांग एकदम सही है. मजदूरों को न्याय और सुरक्षा मिलना चाहिए. मैं कंपनियों का अध्यक्ष हूं. इसलिए कंपनी मालिकों से हमेश कहता हूं कि मजदूरों के साथ अन्याय ना करें. 1 मई कामगार दिन के उपलक्ष्य में इस रैली का आयोजन किया गया था.

1 मई को नहीं हो सका नाट्यगृह का लोकार्पण

- **शिवाजी चौक का नाट्यगृह हो गया खंडहर**
- **नपा अधिकारी, ठेकेदार की लापरवाही से नहीं हो पाया लोकार्पण**

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ सर्कस मैदान में 44 करोड़ रुपए खर्च करके नगर परिषद द्वारा बनाया जा रहा बंदीस्त नाट्यगृह का लोकार्पण 1 मई 2025 को होने वाला था, लेकिन गत 3 वर्ष से लोकार्पण के नाम पर अंबरनाथ नगर परिषद प्रशासन शहरवासियों के साथ मजाक कर रहा है. पूर्व मुख्याधिकारी रसाल ने तो दावे के साथ कहा था कि नाट्यगृह का काम पूरा होने के करीब है. 1 मई मजदूर दिन एवं महाराष्ट्र दिन पर इसका लोकार्पण होगा. लेकिन ये दावा खोखला सिद्ध हो गया है. इसका कारण ये है कि नपा के अधिकारियों का ठेकेदार पर अंकुश नहीं रह गया है. इसलिए वह मनमानी कर रहा है. शहर पूर्व में गत 12 वर्षों से शिवाजी चौक पर बन रहे नाट्यगृह पर करोड़ों रुपए खर्च करने पर भी इसका निर्माण आज तक पूरा ना होने पर ये नाट्यगृह अब खंडहर बन गया है. इसमें दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग हो रही है. सर्कस मैदान पर बन रहे नाट्यगृह पर सांसद श्रीकांत शिंदे के प्रयास से 44 करोड़ की निधि प्राप्त हुई है, जिसमें 621 आसन होंगे.

नाट्यगृह के काम के बारे में श्रीकांत शिंदे ने नाराजगी व्यक्त की थी. दो मंजिला, 621 आसन क्षमता वाले इस नाट्यगृह के नाम पर भी विवाद चल रहा है. नाट्यगृह में 30 मीटर का भव्य रंगमंच है. कलाकारों के लिए वीआई पी रूम, उनके लिए एक स्वतंत्र लिफ्ट, फूड प्लाजा, टिकट कार्यालय आदि ये इमारत वातानुकूलित है. अभी तक नाट्यगृह का काम पूरा नहीं होने से ये नाट्यगृह का लोकार्पण कब होगा, बताया नहीं जा सकता.

टैंकर का पहिया उखड़ने से सड़क जाम

अंबरनाथ. शनिवार को खोनी से नेवाली तक इस मार्ग पर एक बड़े टैंकर का पहिया खराब हो गया, जिसे ठीक करना संभव नहीं था। परिणामस्वरूप टैंकर सड़क पर एक तरफ झुक गया। इसलिए इस मार्ग पर यात्रा करते समय वाहन चालकों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। इस बात का डर था कि यह टैंकर किसी भी क्षण गिर सकता है। हालाँकि, इस स्थान पर कोई यातायात पुलिस नहीं देखी गई।

काटई नेवाली खोनीचौक एक बहुत व्यस्त चौराहा है। यदि कोई वाहन इस चौराहे पर धीमी गति से चलता है या रुकता है, तो इससे यातायात पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। खोनी में म्हाडा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की एक बड़ी परियोजना है। एक भारी टैंकर शनिवार को यहां फंसा हुआ था। इस टैंकर का एक पहिया क्षतिग्रस्त हो गया। परिणामस्वरूप टैंकर पूरी तरह से नेवाली की दिशा में एक तरफ झुक गया। टैंकर के पहिये को सहारा देकर उसे गिरने से बचाया गया। हालाँकि, यह डर था कि यह टैंकर कभी भी गिर सकता है। इस क्षेत्र से यातायात उसी भय के साये में चल रहा था। इस क्षेत्र से गुजरते समय कई वाहन चालक अपनी जान हथेली पर रखकर वाहन चलाते देखे गए।

उल्हास नदी से जलकुंभी हटी, लेकिन किनारे पर ही डटी

- **हटाए गए जलीय पौधों के नदी किनारे डाले गए**
- **नदी में वापस जाने की संभावना**

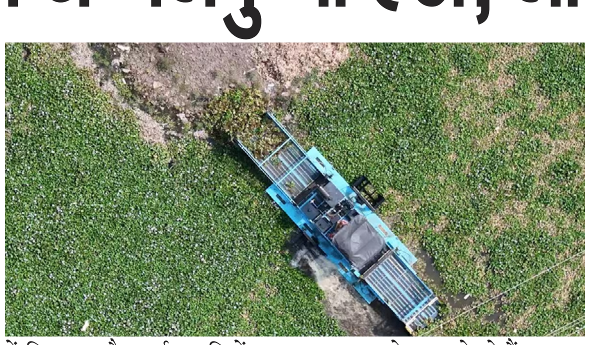

उल्हासनगर. पर्यावरणविदों के प्रयासों से उल्हास नदी से शहरी और औद्योगिक अपशिष्ट जल के कारण होने वाले जल प्रदूषण को हटाने का काम शुरू हो गया है। हालांकि नदी के किनारे से लाए गए इस जलीय पौधों को नदी के किनारे ही रखा जा रहा है। इसलिए डर है कि ये जलकुंभी फिर से नदी चली जाएगी. यदि ऐसा हुआ तो जल कुंभी को हटाने के इस अभियान को झटका लगेगा।

पिछले कुछ वर्षों में उल्हास नदी में भारी मात्रा में सीवेज प्रवेश कर रहा है। नदी के उद्गम से कुछ किलोमीटर तक सीवेज नदी के तल में मिल रहा है। पर्यावरणविदों का आरोप है कि इसमें कुछ औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला अपशिष्ट जल भी शामिल है। इस सीवेज के कारण पिछले कुछ वर्षों में उल्हास नदी में जलीय जीवन भी बढ़ गया है। इस जलभराव से जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। साथ ही जलस्तर भी लगातार घट रहा है।

पर्यावरणविद वर्षों से इस जलकुंभी को हटाने तथा उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं तथा प्रशासन को ज्ञापन दे रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए डेढ़ महीने पहले मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मुख्यालय में हुई बैठक में राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता ने जलकुंभी निकालने के लिए तत्काल कदम उठाने के आदेश दिए थे। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इसकी जिम्मेदारी ली और जलकुंभी निकालने के लिए मशीनरी उपलब्ध कराने की पहल की। जिला परिषद प्रशासन ने महिला स्वयं सहायता समूहों को जलकुंभी की कटाई के बाद उनका उचित तरीके से निपटान करने तथा उनसे घरेलू सामान बनाने का प्रशिक्षण देने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

तदनुसार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई मशीनें पिछले महीने उल्हास नदी में उतारी गईं। उल्हास नदी से जल कुंभी निकालने का काम शुरू हो गया है। पिछले दो सप्ताह में इस जलकुंभी को चरणबद्ध तरीके से हटाया गया है। हालाँकि, इन जलीय पौधों की कटाई के बाद उन्हें नदी के किनारे फेंक दिया जाता है। इस उपकरण से एकत्रित पानी की बूंदों को नदी के किनारों पर डाल दिया जाता है और फिर उपकरण द्वारा उन्हें नदी में वापस भेज दिया जाता है। पिछले कुछ दिनों में तोड़ी गई यह जल कुंभी नदी के किनारे पड़ी है। इनमें से कुछ जल कुंभी यहां सूख रही हैं। हालांकि, इस बात का डर है कि अगर ये जल कुंभी फिर से पनपने लगीं, तो वे नदी के तल में फिर से उग आएंगी। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि इसको हटाया जाए और इसका उचित तरीके से निपटान किया जाए।

क्या जल कुंभी की जिम्मेदारी मनपा की है?

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कहा है कि यद्यपि उसने जलकुंभी को हटाने के लिए मशीनरी उपलब्ध कराई है, लेकिन जलकुंभी का निपटान करना बोर्ड की जिम्मेदारी नहीं है। बोर्ड ने यह भी कहा है कि उन स्थानों पर जल कुंभी के निपटान के लिए स्थानीय सरकारी निकाय जिम्मेदार है। इसलिए सवाल उठता है कि जल प्रदूषण के लिए कौन जिम्मेदार है।

शॉपिंग के बहाने सोने के जेवर

- **दो महिलाओं की तलाश में जुटी पुलिस**

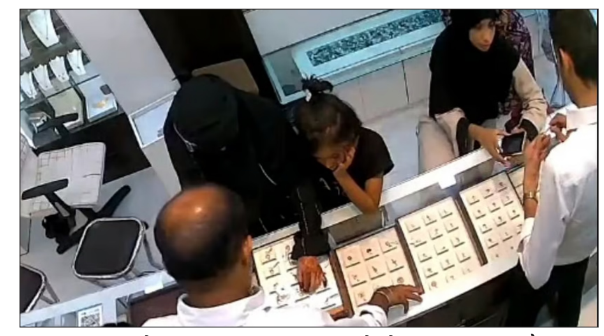

कल्याण. पिछले सप्ताह कल्याण पश्चिम स्थित एक ज्वेलरी शोरूम में दो महिलाएं सोने के आभूषण खरीदने गईं। विभिन्न प्रकार के आभूषणों की जांच करते समय, दोनों महिलाओं ने मालिक का ध्यान भटकाकर 54,000 रुपये मूल्य के सोने के आभूषण चुरा लिए और शोरूम से भाग गईं। इस मामले में शोरूम मालिक महेंद्र नरेंद्र जैन (उम्र 32) की शिकायत के आधार पर महात्मा फुले चौक पुलिस ने मामला दर्ज कर इन महिलाओं की तलाश शुरू कर दी है।

महेंद्र जैन का कल्याण पश्चिम के मोहम्मद अली चौक पर संघवी ज्वैलर्स नाम से शोरूम है। इस शोरूम में चोरी 24 अप्रैल को दोपहर करीब 3.40 बजे हुई। सर्राफ महेंद्र द्वारा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पिछले सप्ताह बुधवार दोपहर दो महिलाएं सोने की अंगूठियां खरीदने उनकी दुकान पर आईं। वह विभिन्न प्रकार के आभूषण देखने के लिए कह रही थी। इस तरह उन्हें आभूषण दिखाए गए। जब सोने के आभूषणों का प्रदर्शन किया जा रहा था तो उनके सामने आभूषणों की एक ट्रे रखी गई थी। आभूषण दिखाने के लिए अंदर-बाहर जाते समय दोनों महिलाओं ने ट्रे में रखे सोने के आभूषणों को अपने कपड़ों में छिपा लिया और बिना कुछ खरीदे दुकान से बाहर निकल गईं। आभूषणों को वापस उनके मूल स्थान पर रखते समय दुकानदार जैन ने देखा कि कुछ सोने के नग गायब थे। जब उन्होंने दुकान की जांच की तो आभूषण नहीं मिले। जैन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें संदेह जताया गया है कि खरीदारी के बहाने आईं महिलाओं ने 53,840 रुपये मूल्य की सोने की अंगूठियां चुरा लीं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

गुस्सा सही लेकिन निशाना गलत

पहलगाम आतंकी हमले और उसमें जान गंवाने वालों के परिजनों का दुख समूचा देश महसूस कर रहा है और आतंकियों के खिलाफ सबमें आक्रोश है। सभी यही चाहते हैं कि आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई हो। मगर व्यापक स्तर पर ऐसी भावनाएं अगर अनियंत्रित होने लगें और उसकी मार ऐसे लोगों पर पड़ने लगे, जिनका आतंकवाद से कोई लेना-देना न हो, तो वाजिब दुख और आक्रोश की दिशा भटक जाना स्वाभाविक है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद आक्रोश के नतीजे में एक अफसोसनाक प्रतिक्रिया यह देखी गई कि कई जगहों पर बिना किसी वजह के मुसलिम पहचान वाले लोगों को उनका नाम पूछ कर निशाना बनाया गया, उनके साथ मार-पीट गई या उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाया गया। यह न केवल भावुकता के दिशाहीन हो जाने का सबूत, बल्कि देश की कानून-व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती भी है। सवाल है कि क्या इस तरह की प्रतिक्रिया देश की लोकतांत्रिक परंपरा के सामने चुनौती नहीं खड़ी कर रही है। पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी ने अपने पति के लिए न्याय और आतंकियों के लिए सजा सुनिश्चित करने की मांग जरूर की है, लेकिन उन्होंने सिर्फ आक्रोश की वजह से निर्दोष लोगों को निशाना बनाने और नफरत भरे बयान देने की प्रवृत्ति पर अपनी आपत्ति जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में लोगों से सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और मुसलमानों या कश्मीरियों को निशाना न बनाने तथा सिर्फ शांति की अपील की। अपने ऊपर दुख का पहाड़ टूटने के बावजूद उन्होंने जिस तरह अपनी संवेदना और अपने धैर्य को संतुलित बनाए रखा, वह मानवीय मूल्यों के प्रति उनकी आस्था को दर्शाती है। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दशक से आतंकवादियों ने जो किया है, उसका मुकम्मल और ठोस हल निकालने की जरूरत है, चाहे इसके लिए कानूनी दायरे में हर स्तर पर सख्ती बरतनी पड़े। मगर आतंकियों की हरकतों की प्रतिक्रिया में अगर आम लोग उत्तेजना में निर्दोष नागरिकों के खिलाफ अराजक होने लगें, तो यह न केवल मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों के विपरीत होगा, बल्कि देश के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और सौहार्द की परंपरा को भी नुकसान पहुंचाएगा।

जाति जनगणना का हो सार्थक उपयोग

आखिरकार मोदी सरकार ने जातिवार जनगणना कराने का अप्रत्याशित निर्णय ले लिया। इसके पहले 1931 में अंग्रेजों ने ऐसी जनगणना कराई थी। उसके बाद से किसी सरकार ने जातिगत जनगणना की आवश्यकता नहीं समझी। हालांकि इसकी समय-समय पर मांग होती रही। मनमोहन सरकार ने कुछ क्षेत्रीय दलों के दबाव में 2011 में सर्वेक्षण की शक्ल में सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना कराई, लेकिन उलझाऊ आंकड़ों के कारण उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। इधर कुछ वर्षों से राहुल गांधी जातिवार जनगणना की मांग पर बहुत जोर दे रहे थे। वे इस मामले में सपा, राजद जैसे दलों को भी पीछे छोड़ रहे थे। यह इसलिए हैरान करने वाला था, क्योंकि कांग्रेस कभी भी जातिगत जनगणना के पक्ष में नहीं रही। राहुल ने ऐसा माहौल बना दिया था, जैसे जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों और विशेष रूप से ओबीसी वर्ग के कल्याण का एकमात्र उपाय है। इससे यह लगने लगा था कि भाजपा को इसकी काट खोजनी पड़ेगी। अंततः वह इसी नतीजे पर पहुंची कि जातिगत जनगणना कराना ही बेहतर है। वह शायद इस नतीजे पर इसलिए पहुंची कि कहीं जातिवार जनगणना की मांग उसके ओबीसी वोट बैंक में सेंध न लगा दे। जो भी हो, यह किसी से छिपा नहीं कि अधिकांश दल जाति और मजहब की धुरी पर ही अपनी राजनीतिक बिसात बिछाते हैं। इसी कारण जातिगत आरक्षण की घोषणा होते ही उसका श्रेय लेने की होड़ मच गई है। इसका कारण खुद को औरों से अधिक ओबीसी का हितैषी बताना और अंततः उसके वोट लेना है।

जिस कांग्रेस ने ओबीसी आरक्षण का सबसे अधिक विरोध किया, वही अब जाति की राजनीति करने वाले क्षेत्रीय दलों से भी आगे बढ़कर ओबीसी तबके को यह समझाने में जुटी कि जातिवार जनगणना में वे सामाजिक और आर्थिक रूप से पीछे पाए जाएंगे और इस नाते शिक्षा संस्थानों और नौकरियों में उन्हें ज्यादा आरक्षण मिलने में आसानी हो जाएगी। एससी-एसटी की तरह ओबीसी आरक्षण जातिगत पिछड़ेपन पर आधारित है। चूंकि आरक्षण के अलावा समाज कल्याण की कई योजनाओं का आधार जातिगत पिछड़ापन है, इसलिए वंचित-पिछड़ी जातियों का सही आंकड़ा होना ही चाहिए। इससे सामाजिक कल्याण की योजनाओं के साथ आरक्षण की नीतियों को सही तरह लागू करने में सहायता मिलेगी।

यह किसी से छिपा नहीं कि हर आरक्षित वर्ग में कुछ समर्थ पिछड़ी जातियां आरक्षण का लाभ लेकर और आर्थिक प्रगति के चलते आए बदलावों का लाभ उठाकर सक्षम बन चुकी हैं। उन्हें अब आरक्षण की आवश्यकता नहीं, लेकिन ऐसी ही जातियों के नेताओं को देखें तो यह साफ पता चलता है कि पिछड़ों के उत्थान के नाम पर उन्होंने अपनी ही जाति वालों का भला किया। क्या यही सामाजिक न्याय है? पिछड़ों की समर्थ जातियों के आरक्षण का अधिकतम लाभ लेने से कहीं अधिक पिछड़ी जाति वालों का भला नहीं हो पा रहा है। यह विसंगति दूर हो और पात्र लोगों को ही आरक्षण का लाभ मिले तभी जातिगत जनगणना के वास्तविक उद्देश्य हासिल होंगे। यह मान लेना सही नहीं कि पिछड़े वर्ग में सभी सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। एससी-एसटी जातियों की तरह पिछड़ी जातियों का एक तबका भी पिछले चार दशक में अपने पैरों पर खड़ा हो चुका है और मुख्यधारा में सम्मिलित है। ऐसे तबके के अनेक लोग यह नहीं चाहते कि उन्हें अगड़े-पिछड़े के सामाजिक चश्मे से देखा जाए।

जातिवार जनगणना की घोषणा के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग और तेज होना तय है। राहुल गांधी ने ऐसी मांग फिर से कर दी है। आखिर कहां तक बढ़ेगी जातिगत आरक्षण की सीमा? वह 50 प्रतिशत तक पहले ही पहुंच गई है और कुछ राज्यों ने तो उसे 60-70 प्रतिशत कर दिया है। 10 प्रतिशत आरक्षण आर्थिक आधार पर भी है। आरक्षण की व्यवस्था ऐसी हो कि वह मेधा की अनदेखी न करने पाए। अगर देश को उन्नति करनी है तो हमें मेधा को सर्वोपरि रखना होगा। हर वर्ग के मेधावियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। यदि आरक्षण के चलते मेधा की अनदेखी होगी तो देश का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता।

आरक्षण की बढ़ती मांग का एक बड़ा कारण सरकारी नौकरियां हैं, लेकिन वे तो लगातार कम होती जा रही हैं। यह एक विडंबना है कि जो निजी क्षेत्र नौकरियां उपलब्ध करा रहा है, उसके प्रति सामाजिक न्याय की बातें करने वाले दलों और यहां तक कि कांग्रेस के नेताओं का रवैया अत्यधिक नकारात्मक है।

हमारे अंदर एक ऐसा स्थान मौजूद है जहाँ हम इस दुनिया के दुखों-दर्दों से छुटकारा पा सकते हैं। हम यहाँ ध्यानाभ्यास के द्वारा जा सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ED संयम बरते, नहीं तो अदालतें नहीं बचाएंगी

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाइयों को लेकर लंबे समय से अंगुलियां उठती रही हैं। सर्वोच्च न्यायालय भी कुछ मौकों पर उसके अधिकारियों को फटकार लगा चुका है कि वे धनशोधन के मामलों में गिरफ्तारियां तो खूब करते हैं, पर उनमें दोषसिद्धि की दर बहुत कम है। इससे उनकी कार्रवाई पर संदेह होता है। हालांकि अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने अनेक मौकों पर अदालतों में ईडी का बचाव किया है, मगर उन्होंने भी खुद प्रवर्तन निदेशालय के स्थापना दिवस के मौके पर उसके अधिकारियों को नसीहत दी कि धनशोधन के मामलों में गिरफ्तारियों में संयम बरतें। शुरुआती चरण में ही गिरफ्तारी न करें। गंभीरता से जांच करने के बाद ही गिरफ्तारी का विचार करें और उसका आधार प्रस्तुत करें, नहीं तो अदालतों में उन्हें बेहतर नतीजे नहीं मिल पाएंगे।

अतिरिक्त महाधिवक्ता की इस नसीहत की वजह समझी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में ईडी ने धनशोधन से जुड़े मामलों में बहुत तेजी से कार्रवाइयां की हैं। थोड़े-थोड़े अंतराल पर उसकी छापेमारी चलती रहती है। यही वजह है कि करीब नौ वर्षों में उसने सवा पांच हजार से अधिक मामले दर्ज कर लिए। उनमें से ज्यादातर मामलों में गिरफ्तारियां भी हुईं। मगर दोषसिद्धि केवल चालीस

मामलों में हो पाई है।

यह भी छिपी बात नहीं है कि जांच एजंसियों की कार्रवाइयों के पीछे केंद्र सरकार का दबाव रहा है, जिसके चलते ज्यादातर छापेमारियां और गिरफ्तारियां विपक्षी दलों से जुड़े लोगों के खिलाफ हुई हैं। इसलिए इन कार्रवाइयों को लेकर सत्तापक्ष लगातार विपक्ष के निशाने पर रहा है। मगर अतिरिक्त महाधिवक्ता की चिंता यह है कि उन मामलों में अदालत के सामने उन्हें ही दलील पेश करनी पड़ती है और अक्सर मामले कमजोर होने पर उन्हें अदालत की फटकार भी सुननी पड़ी है। इसलिए उन्होंने ईडी अधिकारियों को सीख दी है कि वे केवल मौखिक बयानों के आधार पर गिरफ्तारी का आधार न बनाएं।

यही बात सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष एक मामले की सुनवाई के वक्त कही थी। मगर उस पर ईडी की दलील थी कि धनशोधन निवारण कानून की धारा पचास के तहत उसे मौखिक बयानों के आधार पर गिरफ्तारी का अधिकार प्राप्त है। मगर अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत से बाहर उसी दलील के उलट पाठ पढ़ाया है कि कई बार लोग गिरफ्तारी के डर से कुछ बातें कबूल कर लेते हैं, पर बाद में अदालत के सामने अपने बयान से मुकर जाते हैं। इसलिए मौखिक बयानों को आधार न बनाएं।

दरअसल, भ्रष्टाचार रोकने के मकसद से धनशोधन निवारण कानून में बदलाव कर प्रवर्तन निदेशालय को काफी हद तक मुक्तहस्त बना दिया गया है। गिरफ्तारियों से संबंधित कानूनों को काफी लचीला बना दिया गया है। कई मामलों में ईडी को गिरफ्तारी के लिए इजाजत लेने या इत्तिला करने की जरूरत नहीं रह गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे व्यक्ति के मौलिक अधिकार का हनन माना था, मगर ईडी ने मौलिक अधिकारों के ऊपर अपने अधिकारों को ज्यादा तरजीह दी है। अतिरिक्त महाधिवक्ता के ताजा बयान से उम्मीद बनी है कि ईडी अपनी कार्रवाइयों में कुछ सतर्कता और कानूनी मूल्यों का ध्यान रखेगी, न कि केवल अपने अधिकारों का मनमानी उपयोग करेगी। मगर इसके साथ ही, यह भी देखने की बात होगी कि ईडी अपने को सरकारी दबाव से किस हद तक मुक्त कर पाती है।

चींटियों की ऐसी प्रजाति, काट ले तो मर जाए इंसान

चींटियां ऐसी जीव हैं जो आपको कोने-अतरे में आसानी से दिख जाएंगी. चाहे कोई भी मौसम हो, चाहे दिन का

जरा हट के

कोई भी समय हो, ये जीव आपको यहां-वहां घूमते नजर आ जाएंगे. लोगों को लगता है कि लाल चींटियां या फिर काले रंग बड़े चींटे खतरनाक होते हैं, मगर इनमें से भी एक चींटी इतनी खतरनाक है कि उनके काटने से इंसान की जान जा सकती है. अब इन चींटियों की आबादी अमेरिका के कुछ राज्यों में बढ़ती जा रही है, जिसकी वजह से वैज्ञानिक ने चिंता जाहिर की है.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार एशियन नीडल एंट वैसे तो मूल रूप से एशिया की है, मगर पिछले 90 सालों से ये चींटी अमेरिका में भी पाई जाती है. यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के अनुसार ये चींटी अमेरिका के दक्षिण पूर्वी राज्यों में 1932 के दौर से पाई

जा रही है. ये जॉर्जिया के साथ-साथ अन्य साउथ-ईस्ट के राज्यों में मिलती है. यूनिवर्सिटी ऑफ जॉर्जिया के अर्बन एटोमोलॉजी के प्रॉफेसर डैन सूटर का कहना है कि ये जीव चिकित्सकीय तौर पर काफी अहम है.

एनाफलैक्सिस की वजह से जा सकती है जान

डैन ने कहा कि अगर किसी कीड़े के काटने से इंसान की जान खतरे में पड़ जाए, तब तो वो और भी ज्यादा खतरनाक हो जाता है. एशियन नीडल एंट के काटने से उन लोगों की जान को खतरा है, जिन्हें एनाफलैक्सिस नाम की एलर्जिक कंडीशन है. चींटी के काटने से ये कंडीशन बढ़ जाती है, जिससे मौत हो सकती है. डैन ने बताया कि 2024 में उन्हें 3 लोगों से कॉल आई थी, जो एनाफलैक्सिस कंडीशन से जूझ रहे थे और उन्हें चींटी ने काट लिया था.

खीरे का रायता

सामग्री :

- दही (ताजा) - 2 कप
- खीरा - 1 मीडियम शेप का, कद्दूकस किया हुआ
- हरी मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच, बारीक कटी हुई (वैकल्पिक)
- भुना जीरा पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
- काला नमक - 1/4 छोटा चम्मच (या स्वादानुसार)
- सादा नमक - स्वादानुसार
- हरा धनिया - 1 बड़ा चम्मच, बारीक कटा हुआ
- पुदीना के पत्ते - 5-6, बारीक कटे हुए (ऑप्शनल)

विधि :

सबसे पहले एक कटोरे में दही लें और उसे अच्छी तरह से फेंट लें ताकि वह स्मूथ (चिकना) हो जाए और उसमें कोई गुठली न रहे। आप चाहें तो दही को थोड़ा पतला करने के लिए 1-2 चम्मच ठंडा पानी भी मिला सकते हैं।

इसके बाद खीरे को धोकर छील लें और फिर उसे कद्दूकस कर लें। कद्दूकस किए हुए खीरे को हल्के हाथों से निचोड़ लें ताकि उसका एक्स्ट्रा पानी निकल जाए। ऐसा करने से रायता ज्यादा पतला नहीं होगा। फिर फेंटे हुए दही में कद्दूकस किया हुआ और निचोड़ा हुआ खीरा डालें और अब इसमें बारीक कटी हुई हरी मिर्च (अगर इस्तेमाल कर रहे हैं), भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें।

इसके बाद बारीक कटा हुआ हरा धनिया और पुदीना के पत्ते (अगर इस्तेमाल कर रहे हैं) भी रायते में डालकर अच्छी तरह से मिला लें।

रायते को कम से कम 15-20 मिनट के लिए फ्रिज में रखकर ठंडा करें। ठंडा होने के बाद यह और भी स्वादिष्ट लगता है।

ठंडे-ठंडे खीरे के रायते को आप रोटी, पराठा, चावल या किसी भी मेन डिश के साथ परोस सकते हैं। यह गर्मियों में एक बेहतरीन साइड डिश है जो आपके खाने को और भी टेस्टी और रिफ्रेशिंग बना देगा।

आज का राशिफल

मेष : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है।

वृषभ : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुन : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा।

सिंह : पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है।

कन्या : पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

तुला : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु : यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मकर : कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ : नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

मीन : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

दुबले-पतले शरीर को भी पत्थर बना देते हैं Pull-Ups

■ पूरा फायदा पाने के लिए 4 बातों का रखें ध्यान

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत का सही तरीके से ख्याल नहीं रख पा रहे हैं। मोटापे की समस्या तो हर दूसरे व्यक्ति में देखने को मिल रही है। ऐसे में लोग जिम जाते हैं, कार्डियो करते हैं। कई तरह की डाइट फॉलो करते हैं। इससे वजन कम करने में आसानी होती है। उन्हीं में से एक एक्सरसाइज है पुल-अप्स। ये एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो आपकी पीठ, कंधे और बाहों की मसल्स को मजबूत करने में मदद करता है। ऐसा कहा जाता है कि पुल अप्स पुरुषों के लिए महिलाओं के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद होता है। यह शरीर की ताकत और स्टैमिना को बढ़ाता है। सही तरीके से पुल-अप्स किया जाए तो ये न केवल मसल्स को मजबूत बनाता है बल्कि चोट लगने का खतरा भी कम होता है। साथ ही वजन भी कम होता है।

आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में। साथ ही ये भी जानेंगे कि इसे करने का सही तरीका क्या है।

■ शरीर के ऊपरी हिस्से को बनाए मजबूत

Pull-Ups आपके पीठ, कंधे, चेस्ट और बाजुओं के मसल्स पर काम करता है। इसे करने से आपकी अपर बॉडी मसल्स मजबूत होती हैं। साथ ही ताकत भी बढ़ती है। खासकर लेटिसिमस डोर्सी (पीठ की चौड़ी मसल्स) को बहुत फायदा होता है।

Pull-Ups करते समय आपका पेट अंदर की ओर खिंचता है। इस कारण कोर मसल्स एक्टिव हो जाते हैं। कमर और पेट के बीच की मांशपेशियों को Core Muscles कहते हैं। यह एक्सरसाइज पेट की चर्बी घटाने और एब्स बनाने में भी मदद करती है।

■ फिटनेस सुधारे

Pull-Ups एक इंडिकेटर एक्सरसाइज मानी जाती है। आप जितनी बार करते हैं, ये आपके फिटनेस लेवल को दिखाती है। शुरुआत में दो बार भी करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे प्रैक्टिस करने से आप इसे कई बार कर पाते हैं। इससे आपकी फिटनेस में भी सुधार होता है।

■ बॉडी को बनाए ठोस

जिन्हें मस्कुलर बॉडी चाहिए होती है, उनके लिए Pull-Ups बेहतरीन एक्सरसाइज है। यह मसल्स ग्रोथ में मदद करता है। इसके अलावा शरीर को भी टोन करता है। अगर आप रोजाना पुल अप्स करते हैं तो इससे आपकी बांहें, कंधे और पीठ पर अच्छा शेप आता है।

■ मूड को बनाता है बेहतर

पुल-अप्स करने से एंडोर्फिन रिलीज होता है, जो तनाव को कम करने और मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है। अगर आप रोजाना ये एक्सरसाइज करते हैं तो आपका मूड अच्छा रहता है। फोकस बढ़ता है।

■ बढ़ती है ग्रिप स्ट्रेंथ

Pull-Ups करने से आपकी हाथों की पकड़ यानी कि grip strength मजबूत होती है। इससे न केवल दूसरी एक्सरसाइज में मदद मिलती है, बल्कि रोजमर्रा के कामों में भी हाथों की ताकत बढ़ जाती है।

■ कैसे करें पुल अप्स

पुल-अप्स के लिए ग्रिप को कंधों से ज्यादा चौड़ाई से पकड़ें, हथेलियां आपसे दूर हों। लटकते हुए, कोर टाइट करें और पीठ की मांसपेशियों को इंगेज करें। अपनी छाती को ग्रिप की तरफ खींचें जब तक आपकी ठुड्डी ऊपर न आ जाए। धीरे-धीरे नीचे जाएं। शुरुआत में एक दो बार करें, धीरे-धीरे संख्या बढ़ाएं।

■ एक्सरसाइज करते समय ध्यान रखें ये बातें

- सही ग्रिप का चयन करें
- शरीर का संतुलन बनाए रखें
- नियमित अभ्यास करें
- वार्मअप करना न भूलें

लंबे समय तक आम के अचार को खराब होने से बचाने का तरीका

गर्मियों का मौसम आते ही हर घर-घर से आम के अचार की खुशबू आने लगती है. खट्टा-चटपटा आम का अचार भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा है, जो हर थाली को खास बना देता है. इस मौसम में तो आम का अचार घर घर की महिलाएं डालती हैं. इन अचार को सालोंसाल के लिए स्टोर किया जा सकता है और खाने का आनंद उठाया जा सकता है. हालांकि कई महिलाओं की शिकायत होती है कि अच्छी तरह बनाने के बाद भी अचार कुछ ही हफ्तों में खराब हो गया और इनमें फंगस लग गए. अगर आप चाहते हैं कि आपके आम का अचार सालभर तक टिका रहे और उसका स्वाद खराब न हो, तो आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा. तो चलिए जानते हैं कि आम के अचार को फंगस से बचाकर लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए क्या करना होता है.

■ अचार की सामग्री को पूरी तरह सुखाएं

अचार बनाते समय सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि आम, मिर्च या अन्य सामग्री पूरी तरह सूखी हो. इन्हें धोने के बाद साफ कपड़े पर फैलाकर तेज धूप में अच्छे से सुखाएं. अचार में अगर नमी रह गई तो यह फंगस का सबसे बड़ा कारण होता है.

■ मसालों को हल्का भूनें-

अचार में इस्तेमाल होने वाले मसालों को हल्का सा भून लें. इससे उनमें मौजूद नमी खत्म हो जाती है और अचार की खुशबू भी बनी रहती है.

■ साफ और सूखे बर्तन का करें इस्तेमाल-

अचार मिलाने और स्टोर करने के लिए हमेशा कांच या चीनी मिट्टी के सूखे और साफ बर्तन का ही इस्तेमाल करें. प्लास्टिक या धातु के बर्तन में अचार की क्वालिटी जल्दी खराब हो सकती है.

■ गीले हाथों या गंदे चम्मच से न छुएं-

हर बार अचार निकालते समय यह ध्यान रखें कि चम्मच सूखा और साफ हो. गीले या गंदे हाथों से अचार निकालने से उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जिससे फंगस लगने का खतरा बढ़ता है.

■ सरसों के तेल को गर्म करके ठंडा करें-

अचार में डालने के लिए सरसों का तेल पहले अच्छी तरह गर्म कर लें और फिर उसे ठंडा करके मिलाएं. यह तेल अचार को बैक्टीरिया से बचाता है और उसका स्वाद भी बेहतर बनाता है.

■ धूप में रखें अचार-

अचार डालने के बाद उसे कम से कम 4-5 दिनों तक तेज धूप में रखें. इससे अचार का स्वाद गहराता है और उसमें बैक्टीरिया पनपने की संभावना कम हो जाती है.

■ नमक और तेल की मात्रा सही रखें-

नमक और तेल अचार के नेचुरल प्रिजर्वेटिव होते हैं. इसलिए इनकी मात्रा न तो बहुत कम हो और न ही बहुत ज्यादा. सही मात्रा में नमक और तेल डालने से अचार जल्दी खराब नहीं होता.

■ समय-समय पर ऊपर से तेल डालें-

हर 2-3 हफ्तों में अचार को हल्के हाथों से हिलाएं और ऊपर से थोड़ा सरसों का तेल डालें. इससे अचार में हवा नहीं लगती और वह लंबे समय तक सुरक्षित रहता है. अगर आप इन आसान घरेलू उपायों को अपनाएंगे तो आपका आम का अचार न सिर्फ स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि सालभर तक बिना खराब हुए टिका रहेगा.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेटी की ससुराल जा रही महिला की धारदार हथियार से हत्या, शव को पुलिया के नीचे फेंका

मैनपुरी. मैनपुरी में एक महिला की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। ये घटना उस समय हुई जब महिला अपनी बेटी की ससुराल जा रही थी। हत्या के बाद हमलावरों ने महिला के शव को बंबा की पुलिया के नीचे फेंक दिया। घटनास्थल का परीक्षण करने के बाद मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। घटना की तहरीर नहीं दी गई है। जनपद कन्नौज के सौरिख थाना क्षेत्र के ग्राम नगला दरियाय निवासी 40 वर्षीय राजश्री उर्फ रजनी उर्फ मंजू पत्नी रामचंद्र शुक्रवार को बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम बाजपुर निवासी अपनी पुत्री की ससुराल जाने के लिए घर से निकली थी। जब वह ससुराल नहीं पहुंची तो उसकी तलाश शुरू की गई। शनिवार की रात कन्नौज थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी गई। रविवार को बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम बाजपुर मानपुर हरी मार्ग पर स्थित बंबा की पुलिया के नीचे उसका शव बरामद किया गया।

दलित महिला की अर्धनग्न लाश हालत में मिली लाश, रेप के बाद हत्या की आशंका

कन्नौज. कन्नौज से एक सनसनीखेज में मामला सामने आया है। जहां मक्के की फसल में पानी लगाने गई दलित महिला की धारदार हथियार से हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया। उसके कपड़े अस्त-व्यस्त हालत में थे। शव देख रेप के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर एसएसपी, सीओ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। ये घटना गुरसायगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव तहसियापुर का है। जहां हिमांशु की 35 वर्षीय पत्नी सुशीसाल गांव किनारे अपने खेत में मक्का की फसल में पानी लगाने गई थी। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी । खेत में भी जाकर देखा तो वह नहीं मिली। इसके बाद परिजन उसकी तलाश करते रहे। रविवार सुबह पड़ोस के गांव का एक किसान अपने खेत में पानी लगाने पहुंचा तो उसने मक्का के खेत में महिला का अस्त व्यस्त शव पड़ा देखा।

यूपी में अवैध मदरसों धड़ाधड़ ऐक्शन

श्रावस्ती. यूपी में सरकारी जमीनों पर बने अवैध मदरसों पर पुलिस-प्रशासन धड़ाधड़ कार्रवाई कर रहा है। श्रावस्ती में भी एक मदरसा अवैध तरीके से संचालित हो रहा था, जिस पर प्रशासन की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई। सरकारी जमीनों पर बने दो मदरसों को प्रशासन ने बुलडोजर से ढहा दिया। मदरसा संचालकों को नोटिस देकर सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। जमुनहा विकास क्षेत्र के ग्राम कुंडा में इस्लामिया तालमुल कुरान मदरसे का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा था। यह मदरसा गाटा संख्या 413 बंजर भूमि पर संचालित था। जांच के बाद संचालक को नोटिस दी गई थी। लेकिन संचालक ने सरकारी भूमि को खाली नहीं किया। इस पर प्रशासन ने बुलडोजर से मदरसे को ढहा दिया। कार्रवाई के दौरान एसडीएम जमुनहा संजय राय, नायब तहसीलदार विपुल सिंह, थानाध्यक्ष मल्हीपुर आशीष कुमार पुलिस टीम व पीएससी बल के साथ मौजूद रहे। इसी तरह भिनगा तहसील क्षेत्र के बंठिहवा में संचालित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत गौसे आजम का एक तिहाई हिस्सा सरकारी बंजर भूमि पर बना था। जिसे बुलडोजर से ढहा दिया गया।

भारत ने चिनाब नदी का पानी रोका

- झेलम का रोकने की प्लानिंग
- एयरफोर्स चीफ PM से मिले
- पंजाब में 2 पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

नई दिल्ली. पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि सस्पेंड करने के बाद भारत ने चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। न्यूज एजेंसी PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू के रामबन में बने बगलिहार बांध से चिनाब का पानी रोका गया है। वहीं कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की प्लानिंग चल रही है।

उधर एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, PM और एयरचीफ मार्शल के बीच पहलगाम हमले को लेकर बातचीत हुई। पहलगाम आतंकी हमले (22 अप्रैल) को 12 दिन हो चुके हैं। पाकिस्तान से तनाव के बीच PM मोदी लगातार सेना प्रमुखों से मीटिंग कर रहे हैं, शनिवार को उन्होंने नेवी चीफ से भी मीटिंग की थी।

वहीं, पंजाब की अमृतसर पुलिस ने रविवार को 2 जासूसों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा

कि दोनों सैन्य छावनी और एयरफोर्स बेस की इन्फार्मेशन और फोटोज विदेश भेज रहे थे। ये दोनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के ऑपरेटिव हैं।

उधर, रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने भारत को न्यूक्लियर अटैक की धमकी दी है। उन्होंने शनिवार को रूसी मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत पाकिस्तान पर अटैक करता है तो इस्लामाबाद पूरी ताकत से जवाब देगा, चाहे वह न्यूक्लियर अटैक ही क्यों न हो।

पंजाब में 2 पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच पंजाब पुलिस ने 2 पाकिस्तानी जासूस पकड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, ये दोनों अमृतसर में आर्मी कैंट और एयरफोर्स बेस से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तानी भेज रहे थे। इन आरोपियों से एक मोबाइल बरामद हुआ है, जिसमें आर्मी की मूवमेंट और एयरफोर्स बेस की तस्वीरें मिली हैं। ये दोनों अमृतसर की जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ पिट्टू उर्फ हैप्पी के जरिए ISI से जुड़े हुए थे। आरोपियों की पहचान पलक शेर मसीह और सूरज मसीह के रूप में हुई है। पंजाब के DGP गौरव यादव ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इस मामले में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। अमृतसर रूरल पुलिस जल्द ही इस बारे में और जानकारी देगी।

राहुल बोले- कांग्रेस राज में गलतियां हुईं

1984 के सिख दंगों की जिम्मेदारी लेने को राहुल गांधी तैयार

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस की गलतियों को स्वीकारते हुए कहा कि वे पार्टी के इतिहास में हुई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, भले ही यह घटना उनके राजनीति में आने से पहले की हो। यह बयान उन्होंने वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित एक सत्र के दौरान दिया, जब एक सिख युवक ने उनसे तीखे सवाल किए।

सिख युवक ने राहुल गांधी से पूछा, ₹आपने कहा था कि बीजेपी राज में सिखों को कड़ा पहनने और पगड़ी बांधने से रोका जा सकता है, लेकिन कांग्रेस ने खुद भी सिखों को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी। क्या आप 1984 के दंगों सज्जन कुमार जैसे नेताओं को बचाने की पार्टी की भूमिका की जिम्मेदारी लेंगे?₹

राहुल गांधी का जवाब- गलतियां हुई हैं, जिम्मेदारी मेरी है

राहुल गांधी ने सिख युवक के सवाल के जवाब में कहा, ₹बहुत सी गलतियां तब हुईं जब मैं राजनीति में नहीं था, लेकिन मैं कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1984 में जो हुआ वह गलत था। मैं कई बार स्वर्ण मंदिर जा चुका हूं और सिख समुदाय के साथ मेरे अच्छे संबंध हैं।₹ उन्होंने कहा कि

बीजेपी के शासनकाल में धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर जो डर है, वह वास्तविक है।

बीजेपी का तीखा हमला

राहुल गांधी के इस बयान पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, "राहुल गांधी अब न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में मजाक का पात्र बन चुके हैं।" दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, "यह सिखों के दर्द और गुस्से की अभिव्यक्ति थी। राहुल गांधी का बयान कोई माफी नहीं, बल्कि एक राजनीतिक ड्रामा था।₹

बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा, "अगर राहुल गांधी वाकई जिम्मेदारी लेना चाहते हैं, तो उन्हें तत्काल सज्जन कुमार, जगदीश टाइटलर और कमलनाथ को पार्टी से बाहर करना चाहिए।"

आपको बता दें कि 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद पूरे देश, विशेषकर दिल्ली में सिख समुदाय के खिलाफ भीषण हिंसा हुई थी। हजारों सिखों की हत्या कर दी गई थी। 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में सिख समुदाय से माफी मांगी थी। इसके बाद सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने भी खेद जताया था।

रामबन में खाई में जा गिरा सेना का वाहन

- 2 सैनिकों की मौत

रामबन. जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में भारतीय सेना का एक वाहन खाई में गिर गया, जिसमें दो जवान शहीद हो गए। यह घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH44) पर बैटरी छस्मा के पास हुई। फिलहाल राहत और बचाव का कार्य जारी है। पुलिस, एसडीआरएफ, स्थानीय लोग और सेना की टीमों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया है।

तस्वीरों में 700 फीट गहरी खाई में वाहन के क्षतिग्रस्त अवशेष दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर सैनिकों के शव, उनके सामान और कुछ कागजात बिखरे पड़े हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर बैटरी चश्मा के

पास 11.30 बजे के करीब यह दुर्घटना हुई।

आपको बता दें कि सेना का काफिला उधमपुर से श्रीनगर जा रहा था। रामबन के पास काफिले की जो गाड़ी खाई में जा गिरी, उसमें दो कर्मी सवार थे। एक चालक और एक सैनिक गाड़ी में सवार थे। एक शव बरामद किया गया है और उसकी पहचान सुरजीत कुमार के रूप में हुई है। वहीं, दूसरे का पता लगाने के लिए खोज अभियान जारी है।

वक्फ पर मुस्लिम लॉ बोर्ड का हलफनामा

- कहा- सभी संपत्तियां 2013 में रजिस्टर हुईं
- केंद्र का दावा- 11 साल में प्रॉपर्टी 116% बढ़ी

नई दिल्ली. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने केंद्र पर वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का आरोप लगाया।

बोर्ड ने 1 मई को सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं।

केंद्र के हलफनामे में यह बात न होने पर बोर्ड ने इसे 'झूठा हलफनामा' कहा है।

साथ ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है।

केंद्र ने 25 अप्रैल को अपने हलफनामे में कहा था कि 2013 तक कुल वक्फ प्रॉपर्टी 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ थी।

2014 से 2025 के 11 साल यह 20 लाख 92 हजार 72.563 एकड़ (116%) बढ़ गई, यानी 2025 में कुल वक्फ प्रॉपर्टी 39 लाख एकड़ से ज्यादा हो गई। मामले में 5 मई को सुनवाई होगी।

बोर्ड ने केंद्र के हलफनामें को संदिग्ध बताया

बोर्ड ने कहा- ऐसा लगता है केंद्र अपने हलफनामे में कह रहा है कि 2013 से पहले रजिस्टर्ड सभी वक्फ प्रॉपर्टियां वक्फ मैनेजमेंट पोर्टल के चालू होते ही तुरंत अपलोड कर दी गई थीं।

हलफनामे के '2013 में वक्फ प्रॉपर्टियां' वाले कॉलम में प्रॉपर्टियों की संख्या को ही रजिस्टर्ड संपत्तियां कहना शरारतभरा है।

मालूम होता है कि हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी ने जानबूझकर यह नहीं बताया कि सभी प्रॉपर्टियों को 2013 में ही पोर्टल पर अपलोड किया गया था।

हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी को यह बताना चाहिए कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं। हलफनामे में यह अहम पहलू गायब है, इसलिए यह संदिग्ध है।

बोर्ड बोला- कलेक्टर की शक्तियों पर केंद्र चुप

बोर्ड ने अपने हलफनामे में यह भी कहा है कि केंद्र कानून में कलेक्टर की शक्तियों के बारे में चुप है जबकि रजिस्ट्रेशन के महत्व पर 50 से ज्यादा पैराग्राफ हैं।

इसके बावजूद केंद्र ने यह साफ नहीं किया कि नए कानून में 'वक्फ बाय यूजर' के कॉन्सेप्ट को हटाने की जरूरत क्यों पड़ी जबकि 1995 के वक्फ कानून धारा 36 के तहत रजिस्ट्रेशन करना पहले से ही जरूरी है।

सीमा हैदर पर गुजरात से आए युवक ने हमला किया

नोएडा. नोएडा में पाकिस्तानी सीमा हैदर पर युवक ने हमला कर दिया। शनिवार शाम को गुजरात से एक युवक सीमा के घर पहुंचा। आरोप है कि मेन गेट पर जोर-जोर से पैर मारे, फिर अंदर घुसते ही सीमा का गला दबाने लगा। उसने सीमा को तीन-चार थप्पड़ जड़ दिए। घटना से सीमा हैदर घबरा गईं और शोर मचा दिया।

शोर सुनते ही उनके परिजन पहुंचे। हमलावर को पकड़ लिया। सीमा हैदर ने अफसरों को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची। सीमा की सास रितु मीणा की शिकायत पर कोतवाली प्रभारी रबूपुरा सुजीत कुमार ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने बताया कि सीमा और सचिन का फैन है। सीमा ने उस पर काला जादू कर दिया है।

पाकिस्तानी हैकर्स PDF फाइल भेजकर साइबर अटैक कर रहे

- भारतीय यूजर्स के कंप्यूटर, लैपटॉप और फोन निशाने पर
- जानें इससे कैसे बचें

नई दिल्ली. पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तानी हैकर्स ने अब साइबर हमलों के जरिए भारतीय यूजर्स को ऑनलाइन फ्रॉड के जाल में फंसाना शुरू कर दिया है। इन हमलों में यूजर्स के कंप्यूटर, लेपटॉप और फोन को निशाना बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'ट्रांसपेरेंट ट्राइब' पाकिस्तानी हैकिंग ग्रुप CrimsonRAT नामक मालवेयर को फैलाने की कोशिश कर रहा है। इनमें ऐसी PDF फाइल भेजी जा रही हैं, जो सरकारी फाइल्स जैसी दिखती हैं, लेकिन इनमें फिशिंग लिंक छिपे होते हैं।

'पहलगाम आतंकी हमला अपडेट' जैसे सब्जेक्ट डालकर इन फाइल्स को भेज जा रहा है। इन फाइल्स को खोलते ही हैकर्स सिस्टम में सेंध लगाकर जानकारी चुरा सकते हैं।

अब तक 10 लाख से ज्यादा साइबर अटैक हुए

1 मई को खबर आई थी कि पाकिस्तानी साइबर हैकर्स भारत में सरकारी संस्थानों और कंपनियों की वेबसाइट हैक करने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, अब तक 10 लाख से ज्यादा साइबर हमने किए जा चुके हैं। इन हमलों में हैकर्स के निशाने पर डिफेंस, एजुकेशन, टेलीकम्यूनिकेशन और ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से ज्यादातर साइबर हमले पाकिस्तान से हुए हैं और कई हमले बांग्लादेश, मोरक्को और मध्य पूर्वी देशों से भी हुए हैं। हैकर्स ने संवेदनशील डेटा चुराने और जासूसी करने के इरादे से नेशनल सिक्योरिटी में सेंध लगाने की कोशिश की। इन हैकर्स ने रिटायर्ड सर्विसमैन की हेल्थकेयर सर्विस से जुड़ी वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की।

साई सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे पर मौका मिले- रवि शास्त्री

- पूर्व कोच बोले- बुमराह, शमी और सिराज को अर्शदीप का साथ चाहिए

टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया को बड़े फैसले लेने होंगे। वे बोले- मैनेजमेंट को लेफ्ट हैंड ओपनर साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह को टीम में जगह देनी चाहिए। मुझे लगता है कि ये दोनों प्लेयर्स तीनों फॉर्मेट के लिए बेस्ट हैं। शास्त्री ने सीरीज को लेकर कहा कि अगर मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी फिट रहें तो इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। भारत का इंग्लैंड दौरा 20 जून से शुरू होगा।

सुदर्शन एक क्लास प्लेयर हैं

ICC रिव्यू में होस्ट संजना गणेसन से बात करते हुए शास्त्री बोले, युवा साई सुदर्शन में तीनों फॉर्मेट का गेम मौजूद है। वे एक क्लास प्लेयर हैं और मैं उन्हें टेस्ट खेलते हुए भी देखना चाहता हूं। सुदर्शन ने काउंटी क्रिकेट में इंग्लिश कंडीशन की आदत ढाल ली, लेफ्टी बैटर के रूप में उनकी टेक्निक बेहतरीन है। मुझे लगता है कि नए प्लेयर्स में अगर किसी को मौका देना है तो सुदर्शन बेस्ट चॉइस हैं।

तमिलनाडु के लिए दोहरा शतक लगा चुके सुदर्शन

साई सुदर्शन ने 2023 और 2024 में सरे के लिए काउंटी क्रिकेट खेला। उन्होंने इंग्लिश कंडीशन में 5 मैच खेले और 1 शतक की मदद से 281 रन बना दिए। वे तमिलनाडु से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अब तक 29 फर्स्ट क्लास मैचों में करीब 40 की औसत से 1957 रन बना चुके हैं। इनमें दिल्ली के खिलाफ एक दोहरा शतक भी शामिल है।

अर्शदीप भी स्कॉड का हिस्सा बने

शास्त्री ने कहा, मुझे टीम में लेफ्ट आर्म पेसर की भी जरूरत महसूस हो रही है। मुझे नहीं लगता कि अर्शदीप सिंह केवल व्हाइट बॉल से अच्छा करते हैं। अगर वे रेड बॉल से 15-20 ओवर बॉलिंग कर सकते हैं तो इस फॉर्मेट में भी अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत रखते हैं। अगर खलील अहमद फॉर्म में हैं तो उन्हें मौका मिले, मैं बस टीम में लेफ्ट आर्म पेसर को देखना चाहता हूं।

पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी से मिले वायुसेना प्रमुख

- नेवी चीफ भी कर चुके हैं बात

नई दिल्ली. पलहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इससे पहले नौसेना प्रमुख ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। नेवी चीफ ऐडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को लोककल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी से मुलाकात की थी। वहीं कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ मीटिंग की थी। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी शामिल हुए थे।

सूत्रों ने बताया कि वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक की। उन्होंने हालांकि इससे अधिक कोई जानकारी नहीं दी। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) की भी उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। इसके बाद सरकार ने सेनाओं को एक्शन लेने की खुली छूट दे दी।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में पहले ही कहा गया था कि 19 अप्रैल के आसपास आतंकी हमला करने का प्लान बना रहे हैं। हालांकि इस रिपोर्ट में लोकेशन श्रीनगर की बताई गई थी। श्रीनगर के आसपास सुरक्षा भी बढ़ाई गई लेकिन आतंकियों ने अपना प्लान बदल दिया और पहलगाम में मासूम पर्यटकों को निशाना बनाया। इसके बाद भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को निलंबित का ऐलान कर दिया। भारत के सख्त रुख से पाकिस्तान बेहद घबरा गया है।

भारतीय नौसेना में अरब सागर में युद्धाभ्यास भी शुरू कर दिया है। 3 मई से नौसेना लाइव फायल ड्रिल कर रही है। इसका मतलब वास्तविक युद्ध जैसा माहौल बनाकर युद्धाभ्यास किया जा रहा है। वहीं गुजरात तट से 85 किलोमीटर की दूरी पर पाकिस्तान की सेना भी अपने हथियारों का जोर आजमाने में लगी है। हालांकि अगर भारत और पाकिस्तान समंदर में आमने-सामने आ भी जाते हैं तो पाकिस्तान की सेना का चार दिन टिकना भी मुश्किल हो जाएगा।

आतंकियों का सरपरस्त रहा पाकिस्तान अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पाकिस्तान की सेना खुलकर आतंकियों का समर्थन करती दिख रही है। जब से भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने का ऐलान किया है तब से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पहले तो वह अपने सदाबहार साथियों से मिन्नतें करने लगा। काम नहीं बना तो गीदड़भभकी का रास्ता अख्तियार कर लिया। अब लगातार 10 दिनों से एलओसी पर पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन हो रहा है जिसका भारतीय सुरक्षाबल मुंहतोड़ जवाब देते हैं।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

- यात्रा में मिलिट्री बैंड बजा
- पारंपरिक नृत्य हुआ
- 10 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

बद्रीनाथ. बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है।

कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे।

3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी। इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे।

कर्नाटक के मंत्री बोले- मैं आत्मघाती हमलावर बनने को तैयार

कर्नाटक के आवास एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान का पहलगाम आतंकी हमले पर दिया बयान चर्चा में है। जिसमें वे आत्मघाती हमलावर बनकर पाकिस्तान में जाने और युद्ध लड़ने की बात कह रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

उन्होंने कहा- पाकिस्तान हमेशा से भारत का दुश्मन रहा है, अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह मुझे परमिशन दें, तो मैं आत्मघाती बम बांधकर पाकिस्तान जाकर हमला करने के लिए तैयार हूं। देश के लिए जान देने के लिए तैयार हूं। जमीर अहमद खान जब ये बयान दे रहा थे तब उनके आस-पास मौजूद लोग हंसने लगे।

पाकिस्तान बोला- बैलिस्टिक मिसाइल अब्दाली का टेस्ट किया

भारत ने शनिवार को पाकिस्तान से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट आयात पर बैन लगा दिया है। सरकार ने इस फैसले का नोटिफिकेशन भी जारी किया है। इसके साथ ही भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों के आने पर भी रोक लगा दी है। बंदरगाह और शिपिंग मिनिस्ट्री ने कहा कि भारतीय जहाज भी पाकिस्तानी बंदरगाहों पर नहीं जाएंगे।

सरकार के इन फैसलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पीएम मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लॉरेंको से मुलाकात के दौरान यह बात कही।

पहलगाम के बायसरन घाटी में आतंकी हमले के केस में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 75 लोगों को PSA (पब्लिक सेफ्टी एक्ट) के तहत अरेस्ट किया है। इस बात की

नोटिस

रामबचन मनीराम सिंह का 05.11.2024 देहांत हो गया था। डेथ सर्टिफिकेट 26.12.24 को मिला, इनकी वारिश पत्नी आलसमती सिंह है, गाड़ी नंबर MH 05 FP 5067 है। इस पर किसी की दावेदारी हो तो 15 दिन के अंदर सूचित करें। पता- आर बी सिंह बांग्ला सुप्रिया सोसाइटी के पास हनुमान मंदिर के सामने कल्याण पश्चिम मोबाइल नंबर 9821089365.

संक्षेप...

पनवेल में पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन

पनवेल. पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में कॉम्बिंग ऑपरेशन कर के बड़े पैमाने पर कार्रवाई की. इस दौरान पुलिस ने अवैध तौर से कारोबार करने वाले आरोपियों की सामग्री को जब्त कर के उनके खिलाफ मामला दर्ज किया. नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय के परिमंडल 2 के पुलिस उपायुक्त प्रशांत मोहिते और पनवेल विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त अशोक राजपूत के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गजानन घाडगे की टीम द्वारा उक्त कार्रवाई की गई. पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर कोनगांव, वावंजे, वाकडी, शेड्यूल नाका, नेरे, साईगांव और वलप गांव के इलाकों में उक्त कॉम्बिंग ऑपरेशन किया गया. इस ऑपरेशन के दौरान आर्म्स एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया. वहीं नशीली दवाओं के प्रयोग के संबंध में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि देशी शराब की बिक्री के संबंध में 2 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया.

मुंबई में 21 मई को थम जाएंगे ऑटो के पहिए

■ चालकों का धरना देने का एलान

मुंबई. मुंबई में सड़कों, फ्लाईओवर और अंडरपास का जाल बिछा हुआ है, लेकिन फिर भी ट्रैफिक जाम से लोगों का दम फूल जाता है। सबसे बड़ी वजह सड़क पर चलने वाली चार पहिया गाड़ी और ऑटो है। दरअसल, चार पहिया गाड़ी और ऑटो सड़क पर बाइक की तुलना में काफी ज्यादा जगह घेरती है। मुंबई वासियों को ट्रैफिक से निजात दिलाने के लिए महाराष्ट्र कैबिनेट ने ओला, उबर, रैपिडो जैसी राइड-हेलिंग सेवाओं को बढ़ावा देने का फैसला किया है। सरकार ने ई-बाइक टैक्सियों को मंजूरी दी है।

दरअसल, राज्य सरकार का कहना है कि ई-बाइक टैक्सी सेवाओं की वजह से एक तो मुंबई वासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर शहर में बढ़ते प्रदूषण पर भी लगाम लगेगा।

चालकों ने सरकार के फैसले पर जताई नाराजगी

गौरतलब है कि सरकार के इस फैसले से ऑटो ड्राइवर नाराज हैं। महाराष्ट्र ऑटो रिक्शा चालक-मालिक संघ संयुक्त कार्रवाई समिति ने ई-बाइक टैक्सी सेवाओं को मंजूरी देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के विरोध में 21 मई, 2025 को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। राज्य भर में सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (RTO) के सामने प्रदर्शन होने वाले हैं।

संयुक्त कार्रवाई समिति के अध्यक्ष शशांक राव ने कहा कि सरकार ने बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की आड़ में ई-बाइक टैक्सियों को मंजूरी दी है। हालांकि, समिति का तर्क है कि इस फैसले से महाराष्ट्र भर में लगभग 1.5 लाख ऑटो रिक्शा चालकों की आजीविका पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

राव ने एक बयान में कहा, हमारे संगठन ने सरकार द्वारा नियुक्त समिति के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त कीं, जिसे ई-बाइक टैक्सियों की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने का काम सौंपा गया था। इसके बावजूद, सरकार ने मंजूरी देने से पहले हमसे परामर्श किए बिना ही आगे बढ़ गई। यह एकतरफा निर्णय मौजूदा सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र की चिंताओं की अनदेखी करता है।

अवैध स्कूलों पर करें एक्शन

भिवंडी. भिवंडी शहर मनपा सीमा के अंतर्गत चल रही 18 अवैध स्कूलों के खिलाफ पिछले 6 वर्षों से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने को लेकर महाराष्ट्र नव निर्माण विद्यार्थी सेना (मनविसे) प्रतिनिधिमंडल ने भिवंडी मनपा प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर से भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा. मनविसे की ओर से यह मांग की गई कि, गैरकानूनी रूप से संचालित हो रही स्कूलों पर तत्काल प्रभाव से कड़ी कार्रवाई की जाए.उक्त अवसर पर मनविसे के जिलाध्यक्ष परेश चौधरी ने आयुक्त अनमोल सागर को बताया कि भिवंडी में बड़ी संख्या में ऐसी शैक्षणिक संस्थाएं हैं जो मनपा एवं शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त नहीं हैं.अवैध रूप से संचालित स्कूलों की वजह से फर्जी शिक्षण संस्थाएं विद्यार्थियों तथा अभिभावकों का शिक्षा के नाम पर आर्थिक शोषण कर रही हैं.उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन को बार-बार सूचना देने के बावजूद अब तक कोई गंभीर कदम नहीं उठाया गया है. यदि मनपा प्रशासन जल्द से जल्द इन अवैध स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता है, तो विद्यार्थी सेना को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा.

6 लेन के अंडरपास से खत्म हो जाएगा ट्रैफिक जाम

■ फर्राटा भरती निकलेंगी गाड़ियां

■ पैदल चलने वालों की नो एंट्री

मुंबई. बहुत जल्द मुंबई के लोगों को वर्ली में लगने वाले जाम से निजात मिल जाएगी. क्योंकि दादर और प्रभादेवी की ओर से बांद्रा या मरीन ड्राइव की ओर जाने वाली गाड़ियों के निकलने के लिए एक अंडरपास बनकर तैयार हो गया है. यह अंडरपास 10.58 किलोमीटर लंबी मुंबई कोस्टल रोड का हिस्सा है. यह इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली इकलौती टनल है जिसकी कुल लंबाई 550 मीटर है.

यह 6 लेन की सड़क 11 मीटर चौड़ी है. यह खान अब्दुल गफ्फार खान रोड के नीचे से निकलेगी और जेके कपूर चौक को वर्ली सी फेस के पास बिंदु माधव ठाकरे चौक के पास लिंक करेगी. इस अंडरपास का उद्घाटन इसी महीने हो सकता है. यह टनल पश्चिमी मुंबई को दक्षिण मुंबई से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण बिंदु होगी. खबरों की मानें को सिउरी-वर्ली एलिवेटेड कॉरिडोर से आने वाली गाड़ियां भी इस टनल का इस्तेमाल करके वेस्टर्न सब-अर्ब और दक्षिण मुंबई के अलग-अलग इलाकों में जा सकेंगे. बीएमसी के अनुसार, सड़क का काम लगभग पूरा हो चुका है, अभी लेन्स को मार्क और लाइट्स लगाने का काम किया जा रहा है.

क्या होगा फायदा?

टनल के कार्य से संबंधित एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए इसका फायदा बताया था. अधिकारी के अनुसार, एक बार यह टनल चालू हो जाए उसके बाद दादर से आने वाले वाहनों को कोस्टल रोड पर जाने के लिए वर्ली या हाजी अली इंटरचेंज पर नहीं निकलना होगा, वे सीधे ही इस रोड तक पहुंच पाएंगे. इससे इंटरचेंज पर ट्रैफिक कंजेशन कम होगा और गाड़ियां बिना जाम में फंसे दक्षिण मुंबई की ओर निकल पाएंगी. यह मुंबई में मरीन ड्राइव से वर्ली के बीच बनी 10 .58 किलोमीटर लंबी सड़क है. यह 8 लेन की फ्री-वे कोस्टल (समुद्र के किनारे चलने वाली) रोड है. इस सड़क में 2 .07 किलोमीटर लंबी एक टनल है. इसे इसी साल 26 जनवरी को पूरी तरह से सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए खोल दिया गया था.

देश में फिटनेस जागरूकता अभियान के तहत मुंबई में आयोजित फिट भारत कॉनक्लेव में मोस्ट प्रीमियम जिम चैन अवार्ड ग्रहण करते नाइट्रो फिटनेस के सीएमडी प्रबोध डावखरे एवं अन्य अतिथि

पुरानी रंजिश में युवक पर पत्थर से हमला

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत नागांव सागर प्लाजा होटल के सामने रात एक युवक पर पुरानी रंजिश के चलते पत्थर से हमला कर घायल कर दिया. अतीकुर रहमान अब्दुल हफिज शेख नामक 27 वर्षीय युवक, जो पेशे से गाड़ी चालक है, अपने भाई इब्राहीम शेख के साथ खड़ा था, तभी आतिक और यासीर नामक एक व्यक्ति ने पुराने झगड़े को लेकर उससे बहस शुरू कर दी.बहस जल्द ही हिंसक रूप ले लिया और आरोपी ने आतीफ के सिर पर पत्थर से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया. शिकायतकर्ता अतीकुर रहमान ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है.

कैंसर निदान मोबाइल बस में 350 लोगों की हुई जांच

■ 7 गर्भाशय, 4 स्तन और 2 मौखिक कैंसर के लक्षण

ठाणे. समय पर निदान होने पर कैंसर का इलाज आसान हो जाता है।सिविल अस्पताल के माध्यम से मरीजों की सेवा के लिए कैंसर निदान मोबाइल बस आ गई है।पिछले दो दिनों में 350 मरीजों की कैंसर की जांच की गई है, जिनमें से 7 गर्भाशय कैंसर, 4 स्तन कैंसर तथा दो मरीजों में मुख कैंसर के लक्षणों के कारण मामूली सर्जरी की गई।स्वास्थ्य विभाग ठाणे जिले में अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए सकारात्मक पहल शुरू किया है। जब किसी बड़ी बीमारी के लक्षण तुरंत पहचान लिए जाते हैं तो मरीज का बेहतर इलाज संभव हो जाता है। कभी-कभी हर किसी के लिए किसी बड़ी बीमारी पर खर्च करना संभव नहीं होता।इस पृष्ठभूमि में, ठाणे शहर में स्वास्थ्य प्रशासन द्वारा कैंसर निदान मोबाइल बस संचालित की जा रही है। स्वास्थ्य उपसंचालक डॉ. अशोक नंदापुरकर ने बताया कि डॉ. अर्चना पवार के मार्गदर्शन में शहर के कासारवडवली और सिद्धेश्वर तालाब पर करीब 350 लोगों की कैंसर की जांच की गई।यह बस मनपा क्षेत्र में चल रही है और पिछले तीन दिनों से ठाणे शहर में है। इस बस में मरीजों की मौखिक, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की जांच की गई। इस बार जांच के दौरान 7 में गर्भाशय, 4 में स्तन और 2 में मुख कैंसर के लक्षण थे।मुख कैंसर से पीड़ित दो लोगों की बायोप्सी और मामूली सर्जरी की गई है। यह बस सोमवार को किसान नगर, मंगोवारी वर्तक नगर क्षेत्र में खड़ी रहेगी। निरीक्षण दल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नंदिनी देशमुख, डॉ. लीना कुम्भारे, डॉ. अर्चना पवार, डॉ. हितेश सिंघवी और डॉ. प्रज्ञा चौधरी शामिल हैं।डॉ. सुजाता पाडेकर स्टाफ नर्सों के साथ मिलकर अथक परिश्रम कर रही हैं।

> कैंसर निदान मोबाइल बस मरीजों के लिए मददगार साबित हो रही है।बस अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। जब किसी मरीज को कैंसर के लक्षण महसूस होते हैं, तो तत्काल उपचार प्रदान किया जा सकता है, जिससे मरीज की जान बच सकती है।
>
> **-डॉ. कैलाश पवार**
> जिला शल्य चिकित्सक, ठाणे

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे पुलिस महानिदेशक पदक से सम्मानित

■ अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य हेतु गौरव

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. ठाणे पुलिस आयुक्तालय में आयोजित विशेष समारोह में पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में भिवंडी अपराध शाखा में कार्यरत वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे को सेवा अवधि के दौरान अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुलिस महानिदेशक पदक से सम्मानित किया गया.उक्त सम्मान उनके लगातार प्रभावी कार्यों और अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए प्राप्त हुआ है.उक्त अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त डॉ.ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख सहित तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे.अधिकारियों द्वारा सोनवने को सेवाकाल के दौरान मुंबई, नासिक, लातूर, ठाणे और अंबरनाथ जैसे विभिन्न स्थानों पर अपराध नियंत्रण में दिए गए योगदान को सराहा गया.भिवंडी में उनकी नियुक्ति के बाद से उन्होंने सेंधमारी, मोटरसाइकिल चोरी, मादक पदार्थों की तस्करी और हत्या जैसे गंभीर मामलों में प्रभावशाली कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया.भिवंडी अपराध शाखा ने कई संगठित अपराधों का खुलासा किया.वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि,अपराध शाखा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे की कार्यशैली,अनुशासन और कानून-व्यवस्था को लेकर उनकी सजगता ने सम्मान दिलाया है.पुलिस विभाग में उनकी कार्यकुशलता की प्रशंसा की जा रही है.

36 किलो प्लास्टिक की बैग जब्त

मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में नवी मुंबई मनपा द्वारा एकल-उपयोग प्लास्टिक, विशेष रूप से प्लास्टिक बैग के उपयोग को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही वैकल्पिक कपड़े और कागज के बैग के उपयोग करने के लिए नागरिकों से अपील भी कर रही है, इसके साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक की सामग्री और थैली का उपयोग करने वालों के खिलाफ अभियान भी चला रही है, जिसके तहत मनपा के परिमंडल-2 के उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड के नेतृत्व में विशेष निरीक्षण अभियान चलाकर 4 दिनों में 6 व्यवसायियों के पास से 36 किलो 300 ग्राम प्लास्टिक की थैलियां जब्त की. इस मामले में उक्त व्यापारियों से मनपा ने 30 हजार रुपए का जुर्माना वसूला किया है.

येऊर परिसर में बड़े पैमाने पर सर्वकष स्वच्छता अभियान

■ संस्था, नागरिकों, मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से किया गया

ठाणे. राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के तहत ठाणे मनपा क्षेत्र के येऊर इलाके में व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।येऊर परिसर में बस स्टैंड क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस अवसर पर मनपा उपायुक्त दिनेश तायडे, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे, सहायक आयुक्त तनुजा रणदिवे सहित मनपा के कर्मचारी और परिसर के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल थे।मनपा क्षेत्र के अंतर्गत प्रतिदिन सफाई की जाती है। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के अनुसार दो वर्षों से नियमित रूप से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।यह अभियान मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार येऊर परिसर किया गया।

स्वच्छता अभियान के दौरान, चारों ओर बिखरी हुई प्लास्टिक की बोतलों को एकत्र किया गया।साथ ही अन्य कूड़ा करकट को हटाकर परिसर को भी साफ किया गया।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के स्तर में सुधार लाना और मनपा क्षेत्र के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों का स्वरूप बदलना है।मनपा उपायुक्त (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) मनीष जोशी ने बताया कि जनशक्ति और मशीनरी भी उपलब्ध करा दी गई है।

शराब के लिए चार दोस्त आपस में भिड़े

कल्याण. शहर के जोशीवाग इलाके में रविवार को शराब के पैसों को लेकर चार दोस्त आपस में ही भिड़ गए. मारपीट में तेजस निखालजे नामक युवक गंभीर जख्मी हो गया.जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है. बताया गया कि कल्याण के जोशीवाग इलाके में तेजस और उसके अन्य तीन साथी शराब पीने के लिए इकट्ठा हुए. पैसों को लेकर चारों में विवाद हुआ और चारों आपस में ही भीड़ गए. इस दौरान तेजस पर धारदार चाकू से हमला किया गया. हमले में बुरी तरह घायल तेजस को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

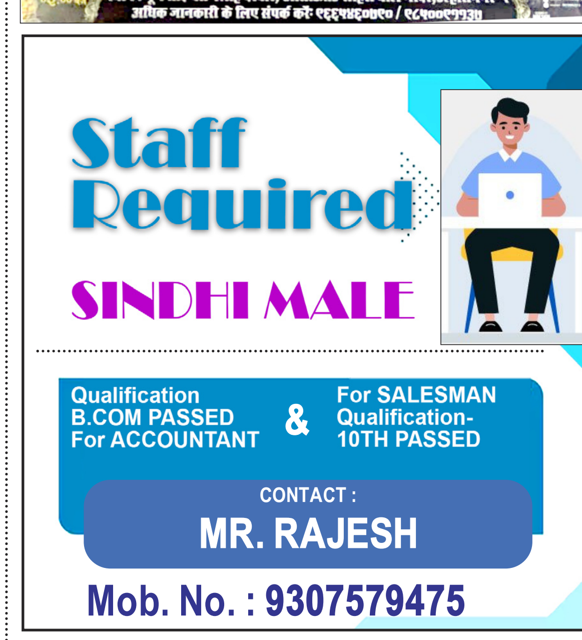

सुंदरकांड व भजन कीर्तन सुनकर श्रोतागण हुए भावविभोर

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से शाम को मंदिर के प्रांगण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है।सुंदरकांड व भजन गायक रवि पाण्डेय, छोटू, बजरंगी, नागेंद्र शर्मा,रवि पाण्डेय, राहुल, कोरस देने वाले हितेश मिश्रा लकी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह, बजरंगी, मनोज मिश्रा, राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी, लकी मिश्रा ने भजन कीर्तन सुनाकर सबका मन मोह लिया। सभी भक्तों को संस्था के तरफ से प्रसाद के रूप में चावल वितरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा, ऊषा यादव,सुमित्रा विट्टी वर्मा, उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव, विजय गुप्ता, मंगला तिवारी, अजित पाण्डेय, घनश्याम यादव, सुशील पंडा, आदित्य तिवारी, राहुल, रवि पांडेय , दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी, बजरंगी, रविन्द्र तिवारी तथा मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी के द्वारा कार्यक्रम में आए हुए सभी भक्तों के जीवन में सुख शान्ति की कामना के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

भारत-पाक विवाद के बीच वाणी कपूर का बड़ा फैसला

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सभी पाकिस्तानी कलाकारों पर भारत में बैन लगा दिया गया है। इतना ही नहीं पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट भी भारत में रिस्ट्रिक्ट कर दिए गए हैं। नतीजतन वाणी कपूर और फवाद खान स्टारर फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज रोक दी गई है। अब विवादों के बीच वाणी कपूर ने सोशल मीडिया से फवाद खान के साथ वाले सारे पोस्ट हटा दिए हैं। फवाद खान की बॉलीवुड कमबैक फिल्म अबीर गुलाल 9 मई को रिलीज होने वाली थी। वाणी कपूर इस फिल्म में लीड रोल में थी। पिछले कई हफ्तों से वाणी कपूर सोशल मीडिया पर लगातार फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं। ऐसे में उन्होंने फिल्म के गाने और फवाद खान के साथ कई तस्वीरें भी पोस्ट की थीं, जो अब उनके अकाउंट से डिलीट हो चुकी हैं।

यूट्यूब ने भी डिलीट किए अबीर गुलाल के गाने

'अबीर गुलाल' के दो गाने-'अंग्रेजी रंगरसिया' और 'खुदाया इश्क' पहले यूट्यूब पर रिलीज किए गए थे। लेकिन अब ये भारत में नजर नहीं आ रहे हैं। ये गाने ए रिचर लेंस एंटरटेनमेंट के ऑफिशियल चैनल और म्यूजिक लेबल सारेगामा के यूट्यूब चैनल से भी हटा दिए गए हैं। बता दें कि वाणी कपूर ने 22 अप्रैल को सोशल मीडिया से अबीर गुलाल का गाना पोस्ट किया था, जो उन्होंने उसी दिन डिलीट कर दिया था। हालांकि इसके बावजूद उनके पुराने पोस्ट के चलते उन्हें बॉयकॉट करने की मांग हो रही थी।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099